खाद-बीज गोदाम पर छापा, 50 करोड़ से अधिक का डीएपी व अन्य उर्वरक बरामद

इतनी बड़ी मात्रा में खाद का गोदाम में होना संदेहास्पद है : कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा

- अवैध रूप से स्टॉक की गई डीएपी के गोदाम में 32 हजार कट्टे बरामद हुए, कोरोमंडल कंपनी का डीएपी और अन्य उर्वरक बड़ी मात्रा में स्टॉक में मिला
- मंत्री मीणा डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने मौके पर ही कृषि विभाग के अधिकारियों को बुलाया, स्टॉक रजिस्टर और रिकॉर्ड जब्त करवाए

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के सूरतगढ़ में कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने रविवार सुबह सूरतगढ़ के इंडस्ट्रियल एरिया स्थित एक खाद-बीज गोदाम पर छापा मारा। यह गोदाम इफ्को बाजार के नाम से संचालित है। यहां कोरोमंडल कंपनी का डीएपी और अन्य उर्वरक बड़ी मात्रा में स्टॉक में मिला। प्रारंभिक जांच में करीब 32 हजार कट्टे बरामद हुए। इनकी अनुमानित कीमत 50 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है। यह वही खाद है जो किसानों को पहले ही वितरित की जानी थी, लेकिन यह गोदाम में दबा रखा गया। मंत्री मीणा ने मौके पर ही कृषि विभाग के अधिकारियों को बुलाया। स्टॉक रजिस्टर और रिकॉर्ड जब्त करवाए।

मंत्री ने कहा कि इतनी बड़ी मात्रा में खाद का गोदाम में होना संदेहास्पद है। इसमें कालाबाजारी की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इस कार्रवाई से खाद-बीज कारोबारियों में हड़कंप मच गया है। यह गोदाम सूरतगढ़ के रीको क्षेत्र में स्थित है। यहां पहले भी स्टॉक हेराफेरी और भंडारण अनियमितताओं की शिकायतें मिल चुकी हैं। कृषि विभाग की टीमें मौके पर रुककर रिकॉर्ड की जांच कर रही हैं। मंत्री ने कहा कि मामले की गहराई से जांच होगी। किसी भी स्तर पर लापरवाही या मिलीभगत पाई गई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। डॉ. मीणा की यह कार्रवाई पिछले कुछ महीनों में की गई छापों की श्रृंखला का हिस्सा है। इसका उद्देश्य किसानों को राहत देना और बिचौलियों की कालाबाजारी पर रोक लगाना है। मंत्री की मौजूदगी और कार्रवाई के बाद प्रशासनिक अमला भी सतर्क हो गया है। अब खाद आपूर्ति की पारदर्शिता और जवाबदेही तय करने की तैयारी शुरू हो गई है।

भीलवाड़ा में तीन खाद फैक्ट्रियों पर कार्रवाई

भीलवाड़ा, (निसं)। कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के निर्देशों के बाद भीलवाड़ा में जयपुर और भीलवाड़ा की विभागीय टीम ने तीन खाद फैक्ट्रियों पर कार्रवाई की।

- ओस्तवाल फास्केम लिमिटेड, गायत्री स्पिनर एवं मंगलम इंडियन पोटाश फैक्टरी के खाद कारखाने में सर्वे किया
- कारखाने में खाद बैग के रखरखाव में खामियां, खाद बैगों को बरसात के पानी से सुरक्षा में कमी पाई गई, कारण बताओ नोटिस जारी किया

विनोद कुमार जैन संयुक्त निदेशक कृषि विभाग, भीलवाड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि कृषि विभाग की जयपुर एवं भीलवाड़ा के अधिकारियों द्वारा हमीरगढ़ क्षेत्र में स्थित ओस्तवाल फास्केम लिमिटेड, गायत्री स्पिनर एवं मंगलम इंडियन पोटाश फैक्टरी के खाद कारखाने में सर्वे कर सैंपल लिए गए। जयपुर में कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक नवलकिशोर मीणा, राजपाल सिंह सहायक निदेशक तथा भीलवाड़ा कृषि विभाग के उपनिदेशक शंकर सिंह राठौड़ के नेतृत्व में हुई जांच पड़ताल में कारखाने में खाद बैग के रखरखाव में खामियां, खाद बैगों को बरसात के पानी से सुरक्षा में कमी पाई गई, जिस पर विभाग ने कारण बताओ

भीलवाड़ा में जयपुर और भीलवाड़ा की विभागीय टीम ने तीन खाद फैक्ट्रियों पर कार्रवाई की।

नोटिस जारी किया है। साथ आईपीएल फैक्टरी से 38 हजार बैग की बिक्री पर लोग लगाई गई है। वहीं ओस्तवाल फैक्टरी पर कुछ बैग की बिक्री रोकने के साथ ही तीनों फैक्टरियों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

एक लाख का इनामी बदमाश चीमाराम मध्य प्रदेश से गिरफ्तार

- बदमाश इतना शातिर है कि छह बार पुलिस टीम को चकमा दे चुका था
- तस्कर के खिलाफ राजस्थान के विभिन्न थानों में 15 मामले दर्ज हैं, तीन बार जेल जा चुका है

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर रेंज की स्पेशल साइक्लोनर टीम ने एक लाख के इनामी बदमाश को मध्य प्रदेश से गिरफ्तार किया है। तस्कर चीमाराम (30) पिछले 6 साल से फरार चल रहा था। बदमाश इतना शातिर है कि छह बार पुलिस टीम को चकमा दे चुका था। जब पुलिस पीछा करती तो गाड़ी तेज भगाकर पुलिस को उलझाता और पीछे से मादक पदार्थ की खेप पार करवा देता था। आरोपी मादक पदार्थ से भरे ट्रक को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए 20 हजार से लेकर एक लाख रुपए तक लेता था। बड़े तस्कर चीमाराम को अपने साथ जोड़ने के लिए नीलामी करते थे। जो सबसे ज्यादा पैसे देता, बदमाश उसी के साथ काम करता था।

साइक्लोनर टीम ने उसे पकड़ने के लिए जाल बिछाया। टीम के सदस्यों ने खुद को तस्कर का गुर्गा बताया और मादक पदार्थ की डील के बहाने होटल में बुलाया। बदमाश मिलने आया तो उसे गिरफ्तार कर लिया। पकड़े जाने पर बदमाश ने पहले अपनी पहचान छिपाई, लेकिन बाद में स्वीकार कर ली। पुलिस उसे लेकर जोधपुर पहुंचीं है। उससे पूछताछ की जा रही है। जोधपुर रेंज आईजी विकास कुमार ने बताया कि साइक्लोनर टीम ने मादक पदार्थ तस्करी के मामले में 6 साल से फरार चल रहे एक लाख रुपए के इनामी कुख्यात तस्कर चीमाराम (30) को पकड़ा है। साइक्लोनर टीम के गठन के बाद 116वां आरोपी पुलिस की गिरफ्त में आया है। आईजी ने बताया कि तस्कर चीमाराम ने 5वीं तक पढ़ाई की। पढ़ाई में मन नहीं लगने पर पानी का टैंकर चलाने लगा। साथ ही ट्रैक्टर चलाकर करतब दिखाने लगा। इस दौरान वह तस्करों के संपर्क में आ गया। आरोपी इतना शातिर है कि नशे के वाहन को एस्कॉर्ट करता था। पुलिस को देखकर आरोपी गाड़ी तेज भगाकर ले जाता। पुलिस उसे पकड़ने में लगी रहती तब तक मादक पदार्थ की खेप पार हो जाती थी।

आईजी विकास कुमार ने बताया कि तस्कर चीमाराम के खिलाफ राजस्थान के विभिन्न थानों में 15 मामले दर्ज हैं। वह तीन बार जेल जा चुका है। 2015 में धोरीमन्ना, 2016 में बाड़मेर सदर, 2018 में नागाणा और 2019 में पाली के सुमेरपुर और बाड़मेर के शिव इलाके में पुलिस पर फायरिंग भी कर चुका है। होटल में चाय पीते समय पुलिस टीम ने आरोपी से नशीले पदार्थों की डील की बातचीत की और फिर उसे गिरफ्तार किया। विकास कुमार ने बताया कि चीमाराम ने अपनी शुरुआत विरधाराम और श्रीराम बिश्नोई जैसे तस्करों के साथ की थी। उसका नेटवर्क मारवाड़ से मेवाड़ तक फैला था। आरोपी सिर्फ इंटरनेट कॉल का इस्तेमाल करता था और साउथ के राज्यों में छुपकर रहता था। आरोपी ट्रकों पर घूम-घूम कर तस्करी करता और आधुनिक हथियारों का इस्तेमाल करता था। जयपुर और उदयपुर रेंज पुलिस ने 50-50 हजार का इनाम घोषित किया था। कोर्ट ने स्थायी वारंट भी जारी किए थे। आईजी ने बताया कि पुलिस ने एक साल तक चले ऑपरेशन में कई बार दबिश दी। गृह प्रवेश, बेटे के जन्म पर गांव में, नीमच के होटल में, गुजरात में नए साल पर, नागपुर में ट्रक पर और जैसलमेर में बहन के ससुराल में दबिश दी, लेकिन हर बार वह बच निकला।

बीकानेर : एक ही दिन में कोरोना के पांच पॉजीटिव केस मिले

- नर्सिंग हॉस्टल की अब तक पांच छात्राएं कोरोना पॉजीटिव आ चुकी हैं

बीकानेर, (निसं)। कोरोना के एक दिन में पांच केस रिपोर्ट हुए हैं। इनमें चार पीबीएम हॉस्पिटल के नर्सिंग हॉस्टल की छात्राएं हैं, जिन्हें घर भेज दिया गया है। नर्सिंग हॉस्टल की अब तक पांच छात्राएं कोरोना पॉजिटिव आ चुकी हैं। यहा आई रिपोर्ट में एक युवती करणी नगर की रहने वाली है।

जिले में कोरोना अब तक 18 पॉजिटिव मरीज रिपोर्ट हो चुके हैं। बीकानेर का एक मरीज अप्रैल में जयपुर के एक निजी हॉस्पिटल में पॉजिटिव आया था। उसके बाद सभी केस मई और जून माह में आए हैं। पीबीएम के नर्सिंग हॉस्टल की पिछले दिनों एक छात्रा पॉजिटिव आई थी। उसे घर भेज दिया गया। उसके बाद 15 छात्राओं की जांच में से एक भी पॉजिटिव रिपोर्ट नहीं हुई। शुक्रवार को कुल 34 मरीजों की जांच हुई थी, जिनमें 31 नर्सिंग हॉस्टल की छात्राएं थीं। इनमें से चार के कोरोना पॉजिटिव आ गया। पांच छात्राएं कोरोना पॉजिटिव आने के बाद अन्य छात्राओं में चिंता बढ़ गई है। जीएनएम और बीएससी की मिलाकर हॉस्टल में करीब 170 छात्राएं हैं। जीएनएम स्कूल प्रिंसिपल एवं हॉस्टल प्रभारी अब्दुल वाहिद ने बताया कि पॉजिटिव आई छात्राओं को घर भेज दिया गया है। इसके अलावा जिन छात्राओं में सर्दी, जुकाम, बुखार, खांसी के लक्षण नजर आ रहे हैं उन सभी की जांचें कराई जा रही हैं। छात्राओं से कह दिया गया है कि वे चाहें तो अपने घर जाकर आराम कर सकती हैं। हालांकि, कोरोना का वायरस अब बिल्कुल नॉर्मल है। इसलिए चिंता की कोई बात नहीं है।

एसीबी एसपी से हाइवे पर दो जिलों के पुलिसकर्मियों ने रिश्वत मांगी

- पुलिसकर्मियों ने गाड़ी को रोककर ड्राइवर से दो हजार रुपए की रिश्वत मांगी, ड्राइवर ने गाड़ी में बैठे एसपी के कहने पर कम-ज्यादा करवाकर पांच सौ रुपए थमा दिए
- वहीं चूरू जिले की सीमा में हाइवे पर पुलिसकर्मियों ने रिश्वत मांगी। ड्राइवर ने 500 का नोट थमाया तो एसपी गाड़ी पुलिसकर्मियों को हिदायत देकर रवाना हो गये, मामला सात दिन पहले का बताया

बीकानेर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के एसपी से बीकानेर और चूरू जिले में हाइवे पर पुलिसकर्मियों द्वारा दो जगह रिश्वत मांगने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बीकानेर एसपी ने चार पुलिसकर्मियों को लाइनहाजिर किया है।

एसीबी के एसपी प्रशासन निजी कार में सवार होकर बीकानेर से जयपुर जा रहे थे। हल्दीराम प्याऊ के पास पुलिसकर्मियों ने उनकी गाड़ी को रोका और ड्राइवर को धमकाकर दो हजार रुपए की रिश्वत मांगी। ड्राइवर ने गाड़ी में बैठे एसपी के कहने पर कम-ज्यादा करवाकर पांच सौ रुपए थमा दिए। उसके बाद ब्यूरो के एसपी गाड़ी से बाहर निकले और मौके पर ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों ने उन्हें देखा तो होश उड़ गए। एसपी ने पुलिसकर्मियों को लाइन में खड़ा कर उनको फटकार लगाई और उन्हें आमजन के साथ ज्यादती नहीं करने की हिदायत दी।

ब्यूरो के एसपी ने मामले को वहीं चलता किया, लेकिन टीआई को हालात बता दिए। उसके बाद एसपी चूरू जिले की सीमा में पहुंचे तो वहां भी हाइवे पर उनकी कार रोक ली गई और पुलिसकर्मियों ने रिश्वत मांगी। ड्राइवर ने 500 का नोट थमाया तो एसपी गाड़ी से बाहर निकले और पुलिसकर्मियों को हिदायत देकर रवाना हो गए। बाद में एसपी से रिश्वत मांगने की जानकारी बीकानेर एसपी कावेन्द्रसिंह सागर को मिली तो उन्होंने हेड कांस्टेबल कानदान, कांस्टेबल सुनील कुमार, शंकरलाल, मनोज कुमार को लाइन हाजिर कर दिया। हालांकि, पुलिस अधिकारियों ने एसीबी के एसपी से रिश्वत मांगने का मामला छिपाने का पूरा प्रयास किया, लेकिन मीडिया ने इसे आमजन के समक्ष उजागर कर दिया। इससे पुलिस महकमे में भ्रष्टाचार उजागर हुआ है। मामले के सात दिन बाद पुलिसकर्मियों को केवल लाइन हाजिर करना पुलिस अधिकारियों पर भी सवाल खड़ा करता है।

हादसे में दो मिस्त्रियों की मौत

श्रीगंगानगर, (निसं)। रिद्धि-सिद्धि प्रथम कॉलोनी में निर्माणाधीन मकान का छज्जा गिर जाने से दो मिस्त्रियों की मौत हो गई। हादसा शाम पांच से छह बजे के बीच का बताया गया है। दोनों मृतक केसरीसिंहपुर थाना क्षेत्र के गांव अरायण निवासी हैं। जेसीबी के जरिए दोनों मिस्त्रियों को मलबे से बाहर निकाला। तब तक उनकी मौत हो चुकी थी। शव रात को घर पहुंचे तो कोहराम मच गया। हालांकि हादसे की सूचना सदर पुलिस को नहीं दी गई। अरायण निवासी 55 वर्षीय मिट्ठूसिंह पुत्र बूटासिंह तथा 21 वर्षीय हरदीपसिंह पुत्र जोगेंद्रसिंह उर्फ भट्टी की इस हादसे में मौत हो गई है। बताया गया है कि रिद्धि-सिद्धि प्रथम में बाइपास की तरफ मकान का काम काफी दिनों से चल रहा है। इसकी दूसरी मंजिल का छज्जा शाम को अचानक गिर गया। हादसे में दोनों मिस्त्री मलबे में दब गए।

नौकरी का झांसा देकर लाखों की ठगी, दो आरोपी गिरफ्तार

पावटा, (निसं)। नौकरी दिलाने के नाम पर लाखों की ठगी का मामला सामने आया है। प्रागपुरा थाना पुलिस ने दो आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला 30 सितंबर 2024 का है, जब दाताराम, रामनिवास, धर्मेंद्र उर्फ सड्डा ने पीड़ित रमेश कुमार को नौकरी दिलाने का झांसा दिया व 5 लाख रुपए हड़प लिए।

जिला पुलिस अधीक्षक कोटपुतली बहरोड़ राजन दुष्यंत ने बताया कि पुलिस मुख्यालय द्वारा वर्तमान में वांछित अपराधियों की धरपकड़ हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान एरिया डोमिनेशन के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपुतली वैभव शर्मा के निर्देशन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के सुपरविजन एवं प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए आसूचना संकलन करते हुए अभियुक्त धर्मेंद्र उर्फ सड्डा पुत्र लालाराम निवासी अजबपुरा थाना नारायणपुर, दाताराम पुत्र छीतरमल निवासी हाड़ापुरा की ढाणी तन मुंडावरा थाना नारायणपुर को गिरफ्तार किया गया है।

प्रागपुरा थाना पुलिस ने ठगी के आरोपियों को गिरफ्तार किया।

प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह ने बताया कि 30 सितंबर 2024 को परिवादी रमेश कुमार पुत्र मुराराम निवासी चांदोली हाल रामविहार कॉलोनी पावटा ने मामला दर्ज करवाया था कि दाताराम, रामनिवास, धर्मेंद्र उर्फ सड्डा ने नौकरी दिलाने का झांसा दिया व पांच लाख रुपए हड़प लिए। जिस पर बीएनएस में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

तीन लाख की स्मैक पकड़ी

निवाई, (निसं)। बरोनी थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ स्मैक के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों से तीन लाख की 35 ग्राम स्मैक बरामद की है। आरोपियों से एक मोटरसाइकिल भी जब्त की है। थानाधिकारी बृजेंद्र सिंह ने बताया कि विशेष टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग 52 पर स्थित बालाजी होटल के समीप नाकाबंदी कर शक्तिसिंह व पवन सैनी को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 35 ग्राम स्मैक बरामद की है।

सड़क हादसे में ट्रक चालक की मौत

मोर्चरी में डीप फ्रिज नहीं होने से दो दिन शव को बर्फ पर रखना पड़ा

नारायणपुर, (निसं)। नारायणपुर-अलवर सड़क मार्ग पर गांव बैरावास के पास 20 जून की रात करीब 11 बजे हुए सड़क हादसे में एक ट्रक चालक की मौत हो गई। हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को एंबुलेंस की मदद से नारायणपुर के आदर्श सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान नारायण लाल (31) पुत्र रामा बरगोट निवासी धावड़ा पाड़ा जगपुरा थाना मोटागांव जिला बांसवाड़ा के रूप में हुई है। वह जयपुर से ट्रक में सरिया भरकर अलवर जा रहा था। रास्ते में गांव बैरावास के पास ट्रक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे नारायण लाल की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस द्वारा सूचना देने के बावजूद मृतक के परिजनों को अपने गांव से नारायणपुर पहुंचने में दो दिन का समय लग गया। इस दौरान शव को पुलिस की निगरानी में नारायणपुर सीएचसी की मोर्चरी में रखा गया। पुलिस ने 22 जून की सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

वहीं नारायणपुर की आदर्श सीएचसी में मोर्चरी में डीप फ्रिज की सुविधा न होने के कारण मृतक नारायण लाल के शव को गर्मी में सुरक्षित रखने के लिए बर्फ की सिल्लियों का सहारा लेना पड़ा। दो दिन तक शव के चारों ओर लगातार बर्फ लगाई जाती रही ताकि डेड बॉडी खराब न हो। स्थानीय लोगों ने मोर्चरी में तत्काल डीप फ्रिज सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है।

जालोर और पाली में तेज बारिश होने से सड़कों पर पानी भरा

जालोर/पाली, (नि.सं.)। पाली जिले में दो दिन से रिमझिम बारिश के बाद के रविवार दोपहर करीब एक घंटे जमकर बारिश होने से सड़कों पर पानी भर गया। शहर के लोढ़ा स्कूल रोड, बांगड़ हॉस्पिटल गेट, मांड्या रोड रामदेव रोड, आदर्श नगर शाहिद इलाकों में एक फीट

- रानीवाडा क्षेत्र में 50 मिमी बारिश से नदी-नालों और तालाबों में पानी की आवक
- धानोल की केरली नाडी लबालब भर गई और ओवरफ्लो हो गई

तक पानी भर गया। दिनभर जिले में कई इलाकों में बारिश हुई व लोगों को मुश्किलों का सामना करना पड़ा। तेज बारिश होने से सड़कों पर पानी भर गया। बारिश का दौर करीब एक घंटे तक चला।

बारिश से नदी नालों में पानी आने लगा :-जालोर जिले के रानीवाडा में रविवार को मानसून की दूसरी सबसे अच्छी बारिश दर्ज की गई। सुबह 6.15 बजे से शुरू हुई बारिश दोपहर 11 बजे तक रुक-रुक कर जारी रही। क्षेत्र में 50 मिमी बारिश से नदी-नालों और तालाबों में जोरदार आवक हुई। धानोल की केरली नाडी लबालब भर गई और ओवरफ्लो हो गई। जाखडी नदी और रामपुर सिलासन की नदी में भी पानी का तेज बहाव देखा गया।

सुबह 5.30 बजे से ही आसमान में घने बादल छाए रहे। इससे पहले अंधेरा छाया और फिर तेज बारिश शुरू हुई। बारिश से कस्बे की सड़कों पर जलभराव हो गया। इससे जनजीवन प्रभावित हुआ। क्षेत्र के सभी नदी-नालों में तेज बहाव से किसानों में खुशी का माहौल है। ग्रामीण अंचल के किसानों के चेहरों पर भी इस बारिश से मुस्कान देखी गई।

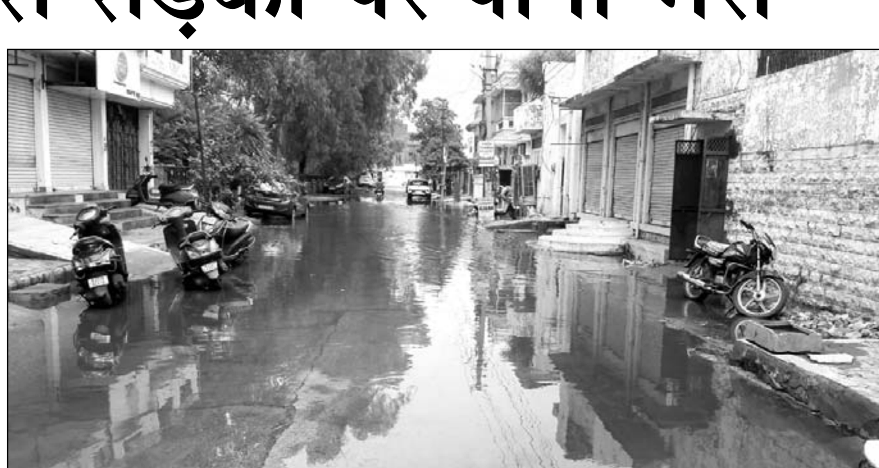

पाली में बारिश से कस्बे की सड़कों पर जलभराव हो गया।

राज्य सरकार प्रदेश के विद्युत तंत्र को लगातार मजबूत कर रही है : ऊर्जा मंत्री

नागौर। ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश के विद्युत तंत्र को लगातार मजबूत कर रही है। शहरों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी उपभोक्ताओं को ट्रिपिंग रहित विद्युत आपूर्ति के लिए सरकार कोई कमी नहीं रख रही है। नागर रविवार को नागौर जिले में 33/11 केवी के चार जीएसएस के लोकार्पण तथा पांच ग्रिड सब स्टेशनों के शिलान्यास समारोह में संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार ने मात्र डेढ़ साल में ही प्रदेश में सभी क्षेत्रों में विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। जिले में एक साथ 4 ग्रिड सब स्टेशन का लोकार्पण और 5 जीएसएस का शिलान्यास कर नया इतिहास रचा गया है। उन्होंने हिलोड़ी गांव में नवनिर्मित 33/11 केवी जीएसएस का लोकार्पण किया। ऊर्जा मंत्री नागर के साथ खींवसर विधायक रेवंतराम डांगा सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस दौरान ग्रामीणों ने ऊर्जा मंत्री का स्वागत किया।

नागौर जिले में ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने एक साथ चार ग्रिड सब स्टेशनों का लोकार्पण और पांच जीएसएस का शिलान्यास किया।

अधीक्षण अभियंता अशोक चौधरी ने बताया कि हिलोड़ी में 1 करोड़ 40 लाख रूपए की लागत से 33/11 केवी जीएसएस बनकर तैयार हुआ है। इस जीएसएस के बनने से हिलोड़ी और गोल्यासनी समेत आसपास के 2 दर्जन गांवों को फायदा मिलेगा। साथ ही सैनणी गांव की कई ढाणियों को भी सुचारू विद्युत आपूर्ति का फायदा होगा। पहले इन गांवों में संखवास पावर हाउस से बिजली सप्लाई की जाती थी, लेकिन अब हिलोड़ी में पावर हाउस बनने से बिजली का लोड भी कम होगा, जिससे ट्रिपिंग की समस्या भी खत्म होगी। हिलोड़ी में आयोजित कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री नागर ने झालों की ढाणी, भोमासर और साटिका खुर्द 33/11 केवी जीएसएस का भी लोकार्पण किया तथा खजवाना, भोजास, गोदारों की ढाणी, कालियास और मुंदियाड़ में 33/11 केवी जीएसएस का शिलान्यास किया। गौरतलब है कि अगले 6 महीने में ये 5 विद्युत सब स्टेशन बनकर तैयार होंगे।